चतुर्थ माला, खंड 9, अंक 1 सोमवार, 13 नवम्बर 1967/22 कार्तिक, 1889 (शक)
Fourth Series, Vol. IX, No. 1 Monday, November 13, 1967/ Kartik 22, 1889(Saka)

लोक-सभा वाद-विवाद
का
संक्षिप्त अनूदित संस्करण

SUMMARISED TRANSLATED VERSION
OF
LOK SABHA DEBATES

[तीसरा सत्र
Third Session]

[खंड 9 में अंक 1 से 10 तक हैं
Vol. IX contains Nos. 1 to 10]

लोक-सभा सचिवालय
नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
NEW DELHI

मूल्य : एक रुपया

Price : One Rupee

विषय सूची/CONTENTS

अंक 1—सोमवार, 13 नवम्बर, 1967/22 कार्तिक, 1889 (शक)

No.1—Monday, November 13, 1967/Kartik 22, 1889 (Saka)

विषय		पृष्ठ
	SUBJECT	PAGES
सदस्यों की वर्णानुक्रम सूची	Alphabetical List of Members	(i)-(viii)
लोक-सभा के पदाधिकारी	Officers of the Lok Sabha	(ix)
भारत सरकार—मंत्री, राज्य मंत्री आदि	Government of India--Ministers, Ministers of State, etc.	(x)-(xi)
सदस्य द्वारा शपथ ग्रहण (श्री रूपनाथ ब्रह्म)	**Member Sworn** .... (Shri Rupnath Brahma)	1
निधन सम्बन्धी उल्लेख	**Obituary References**	1-12
श्रीमती इन्दिरा गांधी	Shrimati Indira Gandhi	3
श्री रंगा	Shri Ranga	3-5
श्री अटल बिहारी वाजपेई	Shri Atal Bihari Vajpayee	5
श्री मनोहरन	Shri Manoharan	5-6
श्री योगेन्द्र शर्मा	Shri Yogendra Sharma	6-7
श्री मधु लिमये	Shri Madhu Limaye	7-8
श्री अ० क० गोपालन	Shri A. K. Gopalan	8-9
श्री सुरेन्द्रनाथ द्विवेदी	Shri Surendranath Dwivedy....	9-10
श्री फ्रैंक एन्थनी	Shri Frank Anthony	10
श्री नि० चं० चटर्जी	Shri N. C. Chatterjee	10-11
श्री प्रकाश वीर शास्त्री	Shri Prakash Vir Shastri	11
श्री राम सेवक यादव	Shri Ram Sewak Yadav	11

अ

अंकिनीडु, श्री (गुडिवाडा)
अंजनप्पा, श्री (नेल्लोर)
अंबाजागन, श्री (तिरूचेंगोड)
अंबुचेजियान, श्री (डिंडीगुल)
अगडी, श्री संगण्णा अन्दानप्पा (कोप्पल)
अचल सिंह, श्री (आगरा)
अदिचन, श्री (अडूर)
अनिरुद्धन, श्री (चिरयिन्कील)
अब्राहम, श्री (कोट्टयम)
अमरसे, श्री म० (बनस्कंठा)
अमात, श्री दे० (सुन्दरगढ़)
अमीन, श्री रा० की० (ढंढुका)
अमीन, श्री रामचन्द्र ज० (मेहसाना)
अयरवार, श्री राम सिंह (सागर)
अरुमुगम, श्री (टेंकासी)
अवधेश चन्द्र सिंह, श्री (फर्रुखाबाद)
असगर हुसैन, श्री (अकोला)
अहमद, डा० इ० (गिरिडीह)
अहमद, श्री ज० (धुबरी)
अहमद, श्री फखरुद्दीन अली (बारपेटा)
अहिरवार, श्री नाथू राम (टीकमगढ़)

आ

आगा, श्री अहमद (बारामुल्ला)
आजाद, श्री भागवत झा (भागलपुर)

इ

इकबाल सिंह, श्री (फाजिलका)

उ

उइके, श्री (मंडला)
उमानाथ, श्री (पुदूकोटै)
उलाका, श्री राम चन्द्र (कोरापुट)

ए

एन्थनी, श्री फ्रैंक (नामनिर्देशित-आंग्ल-भारतीय)
एरिंग, श्री डा० (उत्तर पूर्व सीमान्त क्षेत्र)
एस्थोस, श्री (मुवत्तुपुजा)

ओ

ओंकार सिंह, श्री (बदायूं)
ओराओं, श्री कार्तिक (लोहारदगा)

क

कछवाय, श्री हुकम चन्द (उज्जैन)
कटकी, श्री लीलाधर (नवगांव)
कथम, श्री बी० ना०(जलपाईगुड़ी)
कन्डप्पन, श्री (मैट्टूर)
कपूर, श्री लषण लाल (किशनगंज)
कबिर, श्री हुमायून् (बसिरहाट)
कमलनाथन्, श्री (कृष्णगिरि)
कमला कुमारी, कुमारी (पालामऊ)
कर्ण सिंह, डा० (ऊधमपुर)
कर्णी सिंह, डा० (बीकानेर)
कलिता, श्री धीरेश्वर (गोहाटी)
कस्तुरे, श्री अ० श्री० (खामगांव)
कांबले, श्री (लातूर)
कामेश्वर सिंह, श्री (खगरिया)
कावड़े, श्री भा० रा० (नासिक)
काहामडोल, श्री ज० मं० (मालेगांव)
किकर सिंह, श्री (भटिंडा)
किन्दर लाल, श्री (हरदोई)
किरुतिनन, श्री (शिवगंज)
किस्कु, श्री अ० कु० (झाड़ग्राम)
कुंटे, श्री दत्तात्रय (कोलाबा)
कुचेलर, श्री (वैल्लोर)
कुन्दू, श्री स० (बालासौर)
कुरील, श्री बै० ना० (रामसनेहीघाट)

कुरेशी, श्री शफी (अनन्तनाग)
कुशवाह, श्री यशवन्त सिंह (भिंड)
कुशोक बाकुला, श्री (लद्दाख)
कृपालानी, श्री जी० भा० (गुना)
कृपालानी, श्रीमती सुचेता (गोंडा)
कृष्ण, श्री मं० रं० (पेद्दपल्लि)
कृष्णन्, श्री (कोलार)
कृष्णप्पा, श्री (हस्कोटे)
कृष्णमूर्ति, श्री (कडलूर)
केदरिया, श्री छ० म० (मांडवी)
केसरी, श्री सीताराम (कटिहार)
कोठारी, श्री स्वतन्त्र सिंह (मंदसौर)
कौशिक, श्री कृ० मा० (चांदा)

ख

खन्ना श्री प्रे० कि० (शाहजहांपुर)
खां, श्री अजमल (पेरियाकुलम)
खां, श्री गयूर अली (कैराना)
खां, श्री जुल्फिकार अली (रामपुर)
खां, श्री मु० अ० (कासगंज)
खां, श्री लताफत अली (मुज्जफरनगर)
खाडिलकर, श्री र० के० (खेड़)

ग

गंगादेवी, श्रीमती (मोहनलालगंज)
गजराज सिंह, राव (महेन्द्रगढ़)
गणपत सहाय, श्री (सुल्तानपुर)
गणेश, श्री (अंडमान तथा नीकोबार द्वीपसमूह)
गांधी, श्रीमती इन्दिरा (रायबरेली)
गायत्री देवी, श्रीमती (जयपुर)
गिरिजा कुमारी, श्रीमती (शहडोल)
गिरिराज शरण सिंह, श्री (मथुरा)
गुप्त, श्री इन्द्रजीत (अलीपुर)
गुप्त, श्री कंवरलाल (दिल्ली सदर)
गुप्त, श्री राम कृष्ण (हिसार)
गुप्त, श्री लाखन लाल (रायपुर)
गुह, श्री समर (कन्टाई)
गेविट, श्री तुकाराम हूरजी (नानदरबार)
गोपालन, श्री अ० क० (कासरगोड)
गोपालन, श्री प० (तेल्लिचेरी)
गोपालन, श्रीमती सुशीला (अम्बलपुजा)
गोयल, श्री श्रीचन्द (चंडीगढ़)
गोविन्ददास, डा० (जबलपुर)
गोंडर, श्री मुत्तु (त्रिपत्तूर)
गौड, श्री गाडिलिंगन (कुरनूल)
गौडर, श्री नंजा (नीलगिरि)
गौडा, श्री हुच्चे (चिकमगलूर)
गौतम, श्री चि० (बालाघाट)

घ

घोष, श्री गणेष (कलकत्ता–दक्षिण)
घोष, श्री परिमल (घाटल)
घोष, श्री प्र० कु० (रांची)
घोष, श्री विमल कान्ति (सेरामपर)

च

चक्रपाणि, श्री (पोन्नाणि)
चटर्जी, श्री कृष्ण कुमार (हावड़ा)
चटर्जी, श्री नि० चं० (बर्दवान)
चतुर्वेदी, श्री रा० ला० (एटा)
चन्दा, श्री अनिल कु० (भोलपुर)
चन्दा, श्रीमती ज्योत्सना (कचार)
चन्द्रशेखर सिंह, श्री (जहांनाबाद)
चन्द्रिका प्रसाद, श्री (बलिया)
चव्हाण, श्री दा०, रा० (कराड़)
चव्हाण, श्री यशवन्तराव (सतारा)
चित्ती बाबू, श्री (चिंगलपट)
चौधरी, श्री जे० के० (त्रिपुरा-पश्चिम)
चौधरी, श्री त्रिदिब कुमार (बरहामपुर)
चौधरी, श्री नीतिराज सिंह (होशंगाबाद)
चौधरी, श्री बाल्मीकि (हाजीपुर)
चौहान, श्री भारत सिंह (धार)

छ

छत्रपति, श्रीमती विजयमाला (हथकनंगले)

ज

जगजीवन राम, श्री (सासाराम)
जमीर, श्री स० चु० (नागालैंड)
जगेया, श्री को० (ओंगोल)
जनार्दनन, श्री (त्रिचूर)
जमुना लाल, श्री (टोंक)
जयपाल सिंह, श्री (खुन्टी)

जाधव, श्री तुलशीदास (बारामती)
जाधव, श्री वें० नं० (जालना)
जेना, श्री (भद्रक)
जेवियर, श्री (तिरुनेलवेल्लि)
जोशी, श्री एस० एम० (पूना)
जोशी, श्री जगन्नाथराव (भोपाल)

झ

झा, श्री भोगेन्द्र (जयनगर)
झा, श्री शिव चन्द्र (मधुबनी)

ठ

ठाकुर, श्री गुणानन्द (सहरसा)
ठाकुर, श्री प्र० रं० (नवद्वीप)

ड

डांगे, श्री श्री० अ० (बम्बई मध्य-दक्षिण)

ढ

ढिल्लो, श्री गुरदयाल सिंह (तरनतारन)

त

तापड़िया, श्री सु० कु० (पाली)
तामस्कर, श्री (दुर्ग)
तारोडकर, श्री वें० बा० (नांदेड)
तिवारी, श्री कमल नाथ (बेतिया)
तिवारी, श्री द्वा० ना० (गोपालगंज)
तुला राम, श्री (घाटमपुर)
त्यागी, श्री ओम् प्रकाश (मुरादाबाद)
त्रिपाठी, श्री कृष्ण देव (उन्नाव)

द

दंडपाणि, श्री (धारापुरम)
दलबीर सिंह, श्री (सिरसा)
दांडेकर, श्री नारायण (जामनगर)
दामानी, श्री (शोलापुर)
दार, श्री अब्दुल गनी (गुड़गांव)
दास चौधरी, श्री बे० कु० (कूच बिहार)
दास, श्री न० ता० (जमुई)
दास, श्री सी० (तिरूपति)
दासप्पा, श्री तुलसीदास (मैसूर)
दिग्विजय नाथ, श्री महन्त (गोरखपुर)
दिनेश सिंह, श्री (प्रतापगढ़)
दीक्षित, श्री गं० च० (खंडवा)
दीपा, श्री अनिरुद्ध (फूलबनी)
दीवीकन, श्री (कल्लाकुरिच्चि)
दुरायरासु, श्री (पेरम्बलूर)
देव, श्री क० प्र० सिंह (ढेंकानाल)
देव, श्री धीरेन्द्र नाथ (अगुंल)
देव, श्री प्रताप केसरी (कालाहांडी)
देव, श्री रा० रा० सिंह (बोलनगीर)
देवगुण, श्री हरदयाल (पूर्व दिल्ली)
देवधरे, श्री न० रा० (नागपुर)
देविन्द्र सिंह, श्री (लुधियाना)
देशमुख, श्री कृ० गु० (अमरावती)
देशमुख, श्री भा० दा० (औरंगाबाद)
देशमुख, श्री शिवाजीरावशं (परभणी)
देसाई, श्री चं० चु० (साबरकंठा)
देसाई, श्री दिनकर (कनारा)
देसाई, श्री मोरारजी (सूरत)
द्विवेदी, श्री नागेश्वर (मछलीशहर)
द्विवेदी, श्री सुरेन्द्रनाथ (केन्द्रपाड़ा)

ध

धरंगधरा, श्री श्रीराज मेघराजजी (सुरेन्द्रनगर)
धुलेश्वर मीना, श्री (उदयपुर)

न

नन्दा, श्री गुलजारी लाल (कैथल)
नम्बियार, श्री (तिरुचिरापल्लि)
नायनार, श्री (पालघाट)
नाघनूर, श्री मु० न० (बेलगांव)
नाथ पाई, श्री (राजापुर)
नायक, श्री गुरु चरण (क्योंझर)
नायक, श्री रा० वें० (रायचूर)
नायडू, श्री चेंगलराया (चित्तूर)
नायर, श्री क० कृ० (बहराइच)
नायर, श्री नौ० श्रीकान्तन (क्विलोन)
नायर, श्री वासुदेवन (पीरमाडे)
नायर, श्रीमती शकुन्तला (केसरगंज)
नारायणन, श्री (पोलाची)
नाहाटा, श्री अमृत (बाडमेर)
निर्लेप कौर, श्रीमती (संगरूर)
निहालसिंह, श्री (चन्दौली)

नेसामणि, श्री (नागरकोइल)
नैयर, डा० सुशीला (झाँसी)

प

पंडित, विजय लक्ष्मी (फूलपुर)
पटेल, श्री जे० एच० (शिमोगा)
पटेल, श्री ना० नि० (बुलसर)
पटेल, श्री पाशाभाई (बड़ौदा)
पटेल, श्री बाबूराव (शाजापुर)
पटेल, श्री मणिभाई जे० (दमोह)
पटेल, श्री मनुभाई (डभाई)
पद्मावती देवी, श्रीमती (राजनन्दगाँव)
पन्त, श्री कृष्ण चन्द्र (नैनीताल)
परमार, श्री द० रा० (पाटन)
परमार, श्री भालजीभाई (दोहद)
पस्वान, श्री केदार (रोसेरा)
पहाड़िया, श्री जगन्नाथ (हिन्डौन)
पाओकाई हाओकिप, श्री (वाह्य मनीपुर)
पाटिल, श्री अनन्तराव (अहमदनगर)
पाटिल, श्री चू० अ० (धूलिया)
पाटिल, श्री तु० अ० (उस्मानाबाद)
पाटिल, श्री देवराव (यवतमाल)
पाटिल, श्री ना० रा० (भोर)
पाटिल, श्री स० दा० (सांगली)
पाटिल, श्री से० ब० (बागलकोट)
पाटोदिया, श्री देवकीनन्दन (जालोर)
पाणिग्रही, श्री चिन्तामणि (भुवनेश्वर)
पाण्डेय, श्री काशी नाथ (पदरौना)
पाण्डेय, श्री विश्वनाथ (सलेमपुर)
पाण्डेय, श्री सरजू (गाजीपुर)
पार्थसारथी, श्री (राजमपेट)
पुनाचा, श्री चे० मु० (मंगलौर)
पुरी, डा० सूर्य प्रकाश (नवादा)
प्रताप सिंह, श्री (शिमला)
प्रधानी, श्री ख० (नौरंगपुर)
प्रमाणिक, श्री जि० ना० (बलूरघाट)
प्रसाद, श्री य० ऊं० (मचिलीपट्टणम)

फ

फरनेन्डीज, श्री जार्ज (बम्बई, दक्षिण)

ब

बख्शी, श्री गुलाम मुहम्मद (श्रीनगर)
बजाज, श्री कमलानयन (वर्धा)
बदरुप्दुजा, श्री (मुर्शिदाबाद)
बनर्जी, श्री स० मो० (कानपुर)
बरुआ, श्री बेदब्रत (कलियाबार)
बरुआ, श्री राजेन्द्रनाथ (जोरहाट)
बरुआ, श्री हेम (मंगलदाई)
बसवन्त, श्री (भिवंडी)
बसी, श्री सोहन सिंह (फिरोजपुर)
बसु, डा० मैत्रेयी (दारजीलिंग)
बसु, श्री ज्योतिर्मय (डायमण्ड हार्बर)
बाजपेयी, श्री बिद्याधर (अमडी)
बाबू नाथ सिंह, श्री (सरगुजा)
बारुपाल, श्री प० ल० (गंगानगर)
बिड़ला, श्री राधा कृष्ण (झुंझनू)
बिरुआ, श्री कोलाई (सिंहभूम)
बिष्ठ, श्री जं० ब० सिं० (अलमोड़ा)
बिस्वास, श्री जि० मो० (बांकुरा)
बूटा सिंह, श्री (रोपड़)
बृज भूषण लाल, श्री (बरेली)
बृजराज सिंह कोटी श्री (झालावाड़)
बृजेन्द्र सिंह, श्री (भरतपुर)
बेरवा, श्री ओंकार लाल (कोटा)
बेसरा, श्री स० च० (दुमका)
बेहेरा, श्री बेधर (जाजपुर)
बैरो, श्री (नामर्दिशित-आंग्ल-भारतीय)
बोस, श्री अमीय नाथ (आरामबाग)
बोहरा, श्री ओंकार लाल (चित्तौड़गढ़)
ब्रह्म प्रकाश, श्री (वाह्य दिल्ली)
ब्रह्मा, श्री रूप नाथ (कोकराझर)
ब्रह्मानन्दजी, श्री (हमीरपुर)

भ

भक्त दर्शन, श्री (गढ़वाल)
भगत, श्री ब० रा० (शाहबाद)
भगवती, श्री (तेजपुर)
भगवान दास, श्री (औसग्राम)
भट्टाचार्य, श्री चपलाकांत (रायगंज)
भण्डारे, श्री रा० ढो० (बम्बई-मध्य)
भदौरिया, श्री अर्जुन सिंह (इटावा)
भानु प्रकाश सिंह, श्री (सीधी)
भारती, श्री महाराज सिंह (मेरठ)

भार्गव, श्री ब० ना० (अजमेर)
भोला नाथ, श्री (अलवर)

म

मंगलाथुमाडम, श्री (मवेलिक्करा)
मंडल, डा० प० (विष्णुपुर)
मंडल, श्री जु० कि० (उलुबेरिया)
मंडल, श्री बि० प्र० (माधीपुरा)
मंडल, श्री यमुना प्रसाद (समस्तीपुर)
मधुकर, श्री क० मि० (केसरिया)
मधोक, श्री बलराज (दिल्ली दक्षिण)
मनोहरन, श्री (मद्रास उत्तर)
मयाबन, श्री (चिदाम्बरम)
मरंडी श्री (राजमहल)
मरन, श्री मु० (मद्रास-दक्षिण)
मलहोत्रा, श्री इन्द्रजीत (जम्मू)
मसानी, श्री मो० रु० (राजकोट)
मसुरियादीन, श्री (चायल)
महतो, श्री भजहरि (पुरूलिया)
महाजन, श्री विक्रम चन्द (चम्बा)
महादेव प्रसाद, श्री (महाराजगंज)
महादेवप्पा, श्री रामपुर (गुलबग)
महाराज सिंह, श्री (मैनपुरी)
महिषी, डा० सरोजिनी (धारवाड़ उत्तर)
महोडा, श्री नरेन्द्र सिंह (आनन्द)
माइति, श्री श० ना० (मिदनापुर)
माझी, श्री महेन्द्र (मयूरभंज)
माणिक्य बहादुर, श्री (त्रिपुरा-पूर्व)
माने, श्री शंकरराव दत्तात्रय (कोल्हापुर)
मलोमरियप्पा, श्री (मधुगिरि)
मिनोमाता अगमदास गुरू, श्रीमती (जंजगीर)
मिर्जा, श्री बाकर अली (सिकन्दराबाद)
मिश्र, श्री ग० शं० (छिन्दवाड़ा)
मिश्र, श्री विभूति (मोतिहारी)
मिश्र, श्री श्रीनिवास (कटक)
मीना, श्री मीठालाल (सवाई माधोपुर)
मुकने, श्री यशवन्त राव (दहानु)
मुकर्जी, श्री ही० ना० (कलकत्ता-उत्तर-पूर्व)
मुकर्जी, श्रीमती शारदा (रत्नगिरि)
मुत्तुस्वामी, श्री सी० (करूर)
मुल्ला, श्री आनन्द नारायण (लखनऊ)
मुहम्मद इमान, श्री जे० (चित्रदुर्ग)
मुहम्मद इस्माइल, श्री (बैरकपुर)
मुहम्मद इस्माइल, श्री एम० (मंजेरी)
मुहम्मद यूसुफ, श्री (सीवन)
मुहम्मद शरीफ, श्री (रामनाथपुरम)
मूर्ति, श्री ब० सू० (अमलापुरम)
मूर्ति, श्री मि० सू० (अनकापल्लि)
मृत्युन्जय प्रसाद, श्री (महाराज गंज)
मेघ चन्द्र, श्री (आन्तरिक मनीपुर)
मेनन, श्री गोविन्द (मुकन्दपुरम)
मेनन, श्री विश्वनाथ (एरणाकुलम)
मेलकोटे, डा० (हैदराबाद)
मेहता, श्री अशोक (भंडारा)
मेहता श्री प्रसन्न भाई (भावनगर)
मोडक, श्री वि० कु० (हुगली)
मोडी, श्री पीलु (गोधरा)
मोलहू प्रसाद, श्री (बांसगांव)
मोहन स्वरूप, श्री (पीलीभीत)
मोहसिन, श्री (धारवाड़-दक्षिण)
मोहिन्द्र कौर, श्रीमती (पटियाला)

य

याज्ञिक, श्री (अहमदाबाद)
यादव, श्री चन्द्र जीत (आजमगढ़)
यादव, श्री जागेश्वर (बांदा)
यादव, श्री नगेन्द्र प्रसाद (सीतामढ़ी)
राम सेवक (बाराबंकी)
यशपाल सिंह, श्री (देहरादून)

र

रंगा, श्री (श्रीकाकुलम)
रघुरामैया, श्री (गुन्टूर)
रजनीदेवी, श्रीमती (रायगढ़)
रणजीत सिंह, श्री (खलिलाबाद)
रणधीर सिंह, श्री (रोहतक)
रमनी, श्री (कोयम्बत्तूर)
रमेशचन्द्र, श्री (भीलवाड़ा)
राउत, श्री भोला (बगहा)
राज देव सिंह, श्री (जौनपुर)
राजशेखरन, श्री (कनकपुरा)
राजाराम, श्री (सेलम)

राजू, डा० द० स० (राजमंड्रि)
राजू, श्री द० ब० (नरसापुर)
राज्य लक्ष्मी, श्रीमती ललिता (धनबाद)
राणा, श्री (भड़ौच)
राधाबाई, श्रीमती (भद्राचलम)
राने, श्री (बुलडाना)
राम, श्री, तु० (अरारिया)
रामकिशन, श्री (होशियारपुर)
राम चरण, श्री (खुर्जा)
रामजी राम, श्री (अकबरपुर)
राम धन, श्री (लालगंज)
राम धनी दास, श्री (गया)
राम भद्रन, श्री टी० डी० (तिन्द्रीवनम्)
राम मूर्ति, श्री (मदुरै)
राम मूर्ति, श्री एस० पी० (शिवकाशी)
राम शेखर प्रसाद सिंह, श्री (छपरा)
राम सुभग सिंह, डा० (बक्सर)
राम सेवक, श्री (जालौन)
राम स्वरूप, श्री (रोबर्ट्सगंज)
राय, श्री चरणजीत (दौसा)
राय, श्री चितरंजन (जयनगर)
राय, श्री रवि (पुरी)
राय, श्री विश्वनाथ (देवरिया)
राय, श्रीमती उमा (माल्दा)
राव, डा० कु० ल० (विजयवाड़ा)
राव, डा० वी० के० आर० वी० (बेल्लारी)
राव, श्री क० नारायण (बोबिबली)
राव, श्री जगन्नाथ (छतरपुर)
राव, श्री रामपथी (करीमनगर)
राव, श्री तिरुमल (काकिनाडा)
राव, श्री मुत्याल (नगर कुरनूल)
राव, श्री रामेश्वर (महबूबनगर)
राव, श्री नरसिम्हा (पार्वतीपुरम)
रेड्डी, श्री ईश्वर (कड़प्पा)
रेड्डी, श्री एन्थनी (अनन्तपुर)
रेड्डी, श्री गंगा (आदिलाबाद)
रेड्डी, श्री जी० एस० (मिरियीलगुडा)
रेड्डी, श्री दशरथ राम (कावली)
रेड्डी, श्री नारायण (निजामाबाद)
रेड्डी, श्री नीलम संजीव (हिन्दपुर)
रेड्डी, श्री सुरेन्द्र (वारंगल)
रोहतगी, श्रीमती सुशीला (बिल्हौर)

ल

लकप्पा, श्री (तुमकुर)
लक्ष्मी कान्तम्मा, श्रीमती (खम्मम)
लक्ष्मीबाई, श्रीमती (मेडक)
ललित सेन, श्री (मन्डी)
लास्कर, श्री नि० रं० (करीमगंज)
लिमये, श्री मधु (मुंघेर)
लुत्फुल हक, श्री (जंगीपुर)
लोबो प्रभु, श्री (उदिपि)

व

वंश नारायण, श्री (मिर्जापुर)
वर्मा, श्री प्रेम चन्द (हमीरपुर)
वर्मा, श्री बालगोविन्द (खेरी)
वाजपेयी, श्री अटल बिहारी (बलरामपुर)
वाजपेयी, श्री शशि भूषण (खारगोन)
विजयराजे, श्रीमती (छतरा)
विद्यार्थी, श्री राम स्वरूप (करौलबाग)
विश्वनाथन, श्री (वंडीवाश)
विश्वनाथन, श्री तेन्नेटि (विशाखापटनम)
विश्वम्भरम, श्री (त्रिवेन्द्रम)
वीरभद्र सिंह, श्री (महासू)
वीरप्पा, श्री रामचन्द्र (बीदर)
वेंकटासुब्बया, श्री पें० (नन्दयाल)
वैंकटा स्वामी, श्री (सिद्धिपेट)
व्यास, श्री रमेशचन्द्र (भीलवाड़ा)

श

शंकरानन्द, श्री बी० (चिकोडी)
शम्भू नाथ, श्री (सैदपुर)
शर्मा, श्री अ० त्रि० (भंजनगर)
शर्मा, श्री दी० चं० (गुरदासपुर)
शर्मा, श्री ना० स्व० (डुमरियागंज)
शर्मा, श्री माधोराम (करनाल)
शर्मा, श्री यज्ञ दत्त (अमृतसर)
शर्मा, श्री योगेन्द्र (बेगुसराय)
शर्मा, श्री रामावतार (ग्वालियर)
शर्मा, श्री वेणी शंकर (बंका)
शर्मा, श्री शिव (विदिशा)
शशिरंजन, श्री (पपरी)

शारदानन्द, श्री (सीतापुर)
शालवाले, श्री राम गोपाल (चांदनी चौक)
शास्त्री, श्री प्रकाशवीर (हापुड़)
शास्त्री, श्री रघुवीर सिंह (बागपत)
शास्त्री, श्री रामानन्द (बिजनौर)
शास्त्री, श्री रामावतार (पटना)
शास्त्री, श्री विश्वनारायण (लखीमपुर)
शास्त्री, श्री शिव कुमार (अलीगढ़)
शास्त्री, श्री शिवपूजन (विक्रमगंज)
शाह, श्री टी० पी० (कांकर)
शाह, श्री मानवेन्द्र (टिहरी गढ़वाल)
शाह, श्री वीरेन्द्र कुमार (जूनागढ़)
शाह, श्री शान्तिलाल (उत्तर-पश्चिम-बम्बई)
शाह, श्रीमती जयाबेन (अमरेली)
शिंकरे, श्री (पंजिम)
शिन्दे, श्री अन्ना साहिब (कोपरगांव)
शिव चंडिका प्रसाद, श्री (जमशेदपुर)
शिव चरण लाल, श्री (फिरोजाबाद)
शिव नारायण, श्री (बस्ती)
शिवप्पा, श्री (हसन)
शिवशंकरन, श्री (श्रीपुरेम्बदूर)
शुक्ल, श्री शं० ना० (रीवा)
शुक्ल, श्री शिवचरण (महासमंद)
शेर सिंह, श्री (झज्जर)
श्रीधरन, श्री (बडागरा)

स

संकटा प्रसाद, डा० (मिसरिख)
संजीरूपजी, श्री (दादरा तथा नगर हवेली)
संत बक्स सिंह (फतेहपुर)
संतोषम, डा० म० (तिरुचेंडर)
संबन्धन, श्री (तिरुत्ताणि)
सईद, श्री प० मु० (लक्कादीव, मिनिकाय तथा अमीनदीवी द्वीपसमूह)
सत्य नारायण सिंह, श्री (वाराणसी)
सप्रे, श्रीमती तारा (बम्बई-पूर्वोत्तर)
सलीम, श्री मु०यू० (नलगौंडा)
सहगल, श्री अ० सिं० (बिलासपुर)
सांधी, श्री न० कु० (जोधपुर)
सांम्भली, श्री इस्हाक (अमरोहा)
साधू राम, श्री (फिल्लौर)
साबू, श्री श्रीगोपाल (सीकर)
सामन्त, श्री सतीश चन्द्र (तामलुक)
साम्बसिवम, श्री (नागपट्टिणम)
साल्वे, श्री न० कु० (बेतूल)
सावित्री श्याम, श्रीमती (आंवला)
साहा, डा० शि० कु० (वीरभूम)
सिंह, श्री जि० ब० (साहाबाद)
सिंह, श्री दि० ना० (मुजफ्फरपुर)
सिंह, श्री दे० वि० (सतना)
सिंह, श्री मुद्रिका (औरंगाबाद)
सिंह, श्री राम कृष्ण (फैजाबाद)
सिंह, श्री सत्यनारायण (दरभंगा)
सिंद्दय्या, श्री (चामराजनगर)
सिद्धेश्वर प्रसाद, श्री (नालंदा)
सिन्हा, श्रीमती तारकेश्वरी (बाढ़)
सुदर्शनम, श्री म० (नरसारावपेट)
सुन्दरलाल, श्री (सहारनपुर)
सुन्दर लाल, श्री झा० (बस्तर)
सुपाकर, श्री श्रद्धाकर (सम्बलपुर)
सुब्रावेलू, श्री (मयूरम)
सुरेन्द्रपाल सिंह, श्री (बुलन्दशहर)
सूरजभान, श्री (अम्बाला)
सूर सिंह, श्री (झाबुपुर)
सूर्य नारायण, श्री को० (एल्लूरू)
सेक्वीरा, श्री (मरमागोआ)
सेभियान, श्री (कुम्बकोणम)
सेठ, श्री अब्राहीम सुलेमान (कोजीकोड)
सेट, श्री तु० मू० (कच्छ)
सेठी, श्री प्र० चं० (इन्दौर)
सेतुरामे, श्री नं० (पांडिचेरी)
सेन, डा० रानेन (बारासाट)
सेन, श्री अ० कु० (कलकत्ता-उत्तर-पश्चिम)
सेन, श्री देवेन (आसनसोल)
सेन, श्री द्वैपायन (कटवा)
सेन, श्री फ० गो० (पूर्णिया)
सैयद अली, श्री (जलगांव)
सोंधी, श्री मनोहर लाल (नई दिल्ली)
सोनार, डा० अ० ग० (रामटेक)
सोनावने, श्री (पंढरपुर)

सोमसुन्दरम, श्री (थंजावूर)
सोमानी, श्री नन्दकुमार (नागौर)
सोलंकी, श्री प्र० नं० (कैश)
सोलंकी, श्री सोमचन्द (गांधी नगर)
स्नातक, श्री नर देव (हाथरस)
स्वर्ण सिंह, श्री (जालन्धर)
स्वामीनाथन्, श्री (गोबिचे पिलयम)
स्वेल, श्री (आसाम-स्वायत्तशासी जिले)

ह

हजरनवीस, श्री (चित्तूर)
हजारिका, श्री जो० ना० (डिब्रुगढ़)
हनुमन्तय्या, श्री (बंगलौर)
हरिकृष्ण, श्री (इलाहाबाद)
हाल्दर, श्री कं० (मथुरापुर)
हिम्मतसिंहका, श्री (गोड्डा)
हरि जी भाई, श्री (बांसबाडा)
हेमराज, श्री (कांगड़ा)

लोक सभा

अध्यक्ष

श्री नी० संजीव रेड्डी

उपाध्यक्ष

श्री खाडिलकर

सभापति तालिका

श्री मनोहरन

श्री च० का० भट्टाचार्य

श्री गु० सिं० ढिल्लो

श्री बलराज मधोक

श्रीमती लक्ष्मीकान्तम्मा

श्री एस० एम० जोशी

सचिव

श्री श्यामलाल शकधर

भारत सरकार

मंत्रिमंडल के सदस्य

प्रधान मंत्री तथा अणु शक्ति मंत्री, योजना मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री	श्रीमती इन्दिरा गांधी
औद्योगिक विकास तथा समवाय कार्य मंत्री	श्री फखरुद्दीन अली अहमद
गृह-कार्य मंत्री	श्री यशवन्तराव चव्हाण
वाणिज्य मंत्री	श्री दिनेश सिंह
श्रम तथा पुनर्वास मंत्री	श्री जय सुखलाल हाथी
खाद्य तथा कृषि मंत्री	श्री जगजीवन राम
पर्यटन तथा असैनिक उड्डयन मंत्री	डा. कर्ण सिंह
पेट्रोलियम और रसायन तथा समाज कल्याण मंत्री	श्री अशोक मेहता
विधि मंत्री	श्री गोविन्द मेनन
रेलवे मंत्री	श्री चे० मु० पुनाचा
संसद कार्य तथा संचार मंत्री	डा० राम सुभग सिंह
परिवहन तथा नौवहन मंत्री	डा० वी० के० आर० वी० राव
इस्पात, खान तथा धातु मंत्री	डा० चन्ना रेड्डी
शिक्षा मंत्री	डा० त्रिगुण सेन
सूचना और प्रसारण मंत्री	श्री के० के० शाह
स्वास्थ्य, परिवार नियोजन तथा नगरीय विकास मंत्री	श्री सत्य नारायण सिंह
प्रतिरक्षा मंत्री	श्री स्वर्ण सिंह

राज्य मंत्री

वैदेशिक कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री ब० रा० भगत
स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्रालय में राज्य मंत्री	डा० श्री० चन्द्रशेखर
रेलवे मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री परिमल घोष
समाज कल्याण विभाग में राज्य मंत्री	श्रीमती फूलरेणु गुह
निर्माण, आवास तथा पूर्ति मंत्री	श्री जगन्नाथ राव
प्रतिरक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री ल० ना० मिश्र
वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री कृष्ण चन्द्र पन्त
पैट्रोलियम और रसायन, समाज कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री रघु रामैया
सिंचाई और बिजली मंत्री	डा० कु० ल० राव
औद्योगिक विकास तथा समवाय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री रघुनाथ रेड्डी
इस्पात, खान तथा धातु मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री प्र० चं० सेठी

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री शेर सिंह
खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री अन्नासाहिब शिन्दे
गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री विद्याचरण शुक्ल
शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री भागवत झा आजाद
संसद् कार्य तथा संचार विभाग में राज्य मंत्री	श्री इ० कु० गुजराल
अणु शक्ति विभाग में राज्य मंत्री	श्री गुरपाद स्वामी

उप-मंत्री

परिवहन तथा नौवहन मंत्रालय में उप मन्त्री	श्री भक्त दर्शन
रेलवे मन्त्रालय में उप-मंत्री	श्री रोहनलाल चतुर्वेदी
श्रम, रोजगार तथा पुनर्वास मंत्रालम में उप-मंत्री	श्री दा० रा० चव्हाण
खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री डा० एरिंग
पर्यटन तथा असैनिक उड्डयन मंत्रालय में उप-मंत्री	श्रीमती जहांआरा जयपाल सिंह
श्रम, रोजगार तथा पुनर्वास मंत्रालत में उप-मंत्री	श्री स० चु० जमीर
प्रतिरक्षा मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री म० रं० कृष्ण
उप-मंत्री	डा० सरोजनी महिषी
स्वास्थ्य, परिवार नियोजन तथा नगरीय विकास मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री ब० स० मूर्ति
वित्त मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री नगन्नाथ पहाड़िया
वाणिज्य मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री मुहम्मद शफी कुरेशी
इस्पात, खान तथा धातु मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री राम सेवक
गृह-कार्य मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री के० एस० रामास्वामी
समाज कल्याण विभाग और पैट्रोलियम तथा रसायन मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री मुत्याल राव
विधि मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री मुहम्मद यूनस सलीम
सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय में उप-मंत्री	श्रीमती नन्दिनी सत्पथी
सिंचाई तथा विद्युत मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री सिद्धेश्वर प्रसाद
औद्योगिक विकास तथा समवाय कार्य मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री भानु प्रकाश सिंह
निर्माण, आवास तथा पूर्ति मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री इकबाल सिंह
वैदेशिक कार्य मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री सुरेन्द्र पाल सिंह

लोक-सभा
LOK SABHA

सोमवार 13 **नवम्बर**, 1967/22 **कार्तिक**, 1889 (**शक**)
Monday, November 13, 1967 Kartik 22, 1889 (Saka)

लोक-सभा ग्यारह बजे समवेत हुई
Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[अध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए
MR. SPEAKER *in the Chair*]

सदस्य द्वारा शपथ ग्रहण
MEMBER SWORN

श्री रूपनाथ ब्रह्म (कोकराझाड़) [अंग्रेजी]*

निधन संबंधी उल्लेख
OBITUARY REFERENCES

अध्यक्ष महोदय : मुझे दुःख से सदन को अपने मित्रों के निधन के बारे में सूचना देनी है । उनके नाम हैं श्री एम० के० शिवनंजप्पा, डा० राम मनोहर लोहिया, श्री जी० डी० पाटिल, श्री एच० पी० चटर्जी, डा० के० बी० मैनन, श्री भावसाहेब रावसाहेब महागांवकर, श्री उदय शंकर दूबे, पंडित भगवती चरण शुक्ल तथा पंडित नीलकंठ दास ।

श्री शिवनंजप्पा मैसूर के मंड्या निर्वाचन क्षेत्र से वर्तमान सदस्य थे । उनका निधन 2 सितम्बर, 1967 को मैसूर में 47 वर्ष की अपरिपक्क अवस्था में हुई । वह 1952–67 तथा पहली, दूसरी तथा तीसरी लोक सभा के सदस्य थे । वह दूसरी तथा तीसरी लोक सभा

---

*सदस्य के नाम के आगे दी गई भाषा इस बात की द्योतक है कि सदस्य ने उस भाषा में शपथ ली थी ।

The language shown against the name of the Member indicates that he took oath in that language.

में सभा की बैठकों से सदस्यों की अनुपस्थिति सम्बन्धी समिति तथा याचिका समिति के सदस्य थे।

डा० राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश के कन्नौज निर्वाचन क्षेत्र के वर्तमान सदस्य थे। उनका निधन नई दिल्ली में 12 अक्तूबर को हुआ। उनका निधन असामयिक था।

हम सब को पता है कि डा० लोहिया देश की स्वतन्त्रता के संग्राम में एक उत्साही कार्यकर्ता के रूप में शामिल हुए। उन्होंने 1942 के "भारत छोड़ो" आन्दोलन में सक्रियता से भाग लिया। भारत की स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात्, डा० लोहिया ने गोआ की स्वतन्त्रता संग्राम में सक्रियता से भाग लिया। वह लगभग भारत, गोआ तथा नेपाल के आन्दोलनों में 18 बार जेल गये। वह धर्मनिरपेक्ष ढंग के समाजवाद में विश्वास करते थे। उन्होंने सामाजिक अत्याचार के विरुद्ध, विचार तथा कार्य से अथक प्रयास किया।

डा० लोहिया संसद में 1963 में उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद क्षेत्र से एक उपचुनाव को जीतकर तीसरी लोक सभा में आये। इस सदन के सदस्य के नाते उन्होंने इस सदन में कई ऐसी चर्चा उठाईं जिनके बारे में न केवल यहाँ अपितु बाहर भी रुचि पाई गई। वह एक शक्तिशाली वक्ता थे। कोई नहीं कह सकता था कि मृत्यु उन्हें हमसे इतनी जल्दी छीन लेगी। उनकी मृत्यु ने भारत की राजनीति तथा इस सदन से एक महान नेता को अलग कर दिया।

श्री जी० डी० पाटिल मैसूर के बीजापुर निर्वाचन क्षेत्र से वर्तमान सदस्य थे। वह इस सदन के बहुत थोड़े समय के लिये सदस्य बने। वह इस सदन के 6 अप्रैल, 1967 को सदस्य बने तथा उनका निधन बीजापुर में 1 नवम्बर 1967 को 45 वर्ष की अपरिपक्क आयु में हुआ।

श्री एच० पी० चटर्जी, पश्चिमी बंगाल के कृष्णनगर क्षेत्र के वर्तमान सदस्य थे। वह तीसरी लोक सभा के 1962–67 में सदस्य निर्वाचित हुए थे। वह सदन के सक्रिय सदस्य थे तथा वाद-विवाद में अच्छा हिस्सा लेते थे। उनका निधन अचानक 11 नवम्बर, 1967 को नई दिल्ली में 70 वर्ष की आयु में हुआ।

डा० के० बी० मैनन दूसरी लोक सभा के 1957–67 में सदस्य थे। उनका निधन कालीकट में 70 वर्ष की आयु में 6 सितम्बर, 1967 को हुआ।

श्री भावसाहिब रावसाहिब महागांवकर 1957–62 में दूसरी लोक सभा के सदस्य थे। उनका निधन 50 वर्ष की आयु में 18 अक्तूबर, 1967 को कोल्हापुर में हुआ।

श्री उदय शंकर दुबे 1952–57 में पहली लोक सभा के सदस्य थे। उनका निधन 25 अक्तूबर, 1967 को 64 वर्ष की आयु में हुआ।

पंडित भगवती चरण शुक्ल 1952–57 में पहली लोक सभा के सदस्य थे। वह अचानक 30 अक्तूबर 1967 को जबलपुर में नर्मदा नदी में 59 वर्ष की आयु में डूब गये।

पंडित नीलकंठ दास 1923–30 तथा 1935–45 में केन्द्रीय विधान सभा के सदस्य थे। वह कुछ समय के लिये उड़ीसा विधान सभा के सदस्य भी रहे। उनका निधन 85 वर्ष की आयु में 6 नवम्बर, 1967 को कटक में हुआ।

हमें इन मित्रों के निधन पर अत्यधिक दुःख है और मुझे पूरा विश्वास है कि उनके संतप्त परिवारों को संवेदना संदेश भेजने में सदन हमारे साथ है ।

प्रधान मंत्री, अणु शक्ति मंत्री, योजना मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री

(श्रीमती इन्दिरा गांधी) : अध्यक्ष महोदय, आज हम अपने कई सहयोगियों और साथियों के निधन के पश्चात् मिल रहे हैं। इस सत्रावधि में बहुत सदस्यों का निधन हुआ है ।

इस सदन को डा० राम मनोहर लोहिया के निधन से क्षति हुई है। वह एक महान संसदविज्ञ थे। उनका सारा जीवन गरीबों को उठाने में और उन कार्यों में लगा रहा जो उन्हें प्यारे थे। उन्होंने हमारे स्वतन्त्रता संग्राम में विशेष रूप से "भारत छोड़ो" आन्दोलन में स्मरणीय भाग लिया तथा देश में समाजवाद के प्रवर्तकों में से थे। उनके निधन के कारण हमारे बीच से एक बहुत बुद्धिमान तथा चरित्रवान व्यक्ति उठ गया है। उनके बिना सदन वैसा नहीं रहेगा जैसा उनके जीवित रहने के समय था ।

हमें श्री शिवनंजप्पा तथा श्री जी० डी० पाटिल को भी खोना पड़ा। उक्त दोनों दिवंगत सदस्य मैसूर के रहने वाले थे। उनकी मृत्यु का हम सब को दुःख है।

स्व० डा० के० बी० मेनन तथा श्री महागांवकर दूसरी लोक सभा के सदस्य थे। डा० मेनन बहुत ही सज्जन व्यक्ति थे तथा उन्होंने इंडियन स्टेट्स पीपल्ज कांफ्रेंस तथा इंडियन सिविल लिबर्टीज यूनियन के कार्यों में सक्रिय भाग लिया।

श्री उदय शंकर दुबे तथा श्री भगवती चरण शुक्ल दोनों पहली लोक सभा के सदस्य थे। श्री शुक्ल स्व० पंडित रविशंकर शुक्ल के बेटे थे तथा डूबने के कारण असामयिक मृत्यु हुई। हम अपने सहयोगी श्री विद्याचरण शुक्ल तथा उनके परिवार को अपनी संवेदना भेजते हैं।

श्री नीलकंठ दास पुरानी केन्द्रीय विधान सभा के सदस्य थे। वह एक कवि, लेखक तथा शैक्षणिक थे जिनका सम्बन्ध कलकत्ता तथा दिल्ली विश्वविद्यालयों से था । कुछ समय के लिये वह उड़ीसा विधान सभा के अध्यक्ष थे तथा उन्हें भारत का राष्ट्रीय सम्मान पद्म भूषण भी प्राप्त हुआ था ।

हम इस सत्र में श्री एच० पी० चटर्जी को इस सदन में देखने की सोच रहे थे परन्तु मृत्यु ने उन्हें भी हमसे छीन लिया है । वह स्वतन्त्रता संग्राम के एक पुराने सेनानी थे तथा एक सक्रिय सांसदिक थे जिनका देश के लिए सेवा का बड़ा रिकार्ड था । सदन को पता है कि लगभग तीन वर्ष पूर्व देश की सुरक्षा करते हुए उनके इकलौते पुत्र का निधन हो गया।

इसलिये हम इन मित्रों को दुःख भरे मन से याद करते हैं जिन्होंने अपने-अपने तरीकों से देश की सेवा की । हम उन्हें अपनी श्रद्धांजलियाँ भेंट करते हैं तथा उनके संतप्त परिवारों को संवेदना संदेश भेजते हैं ।

श्री रंगा (श्री काकुलम) : मेरे दल के सदस्य तथा मैं प्रधान मंत्री द्वारा अपने दिवंगत

सहयोगियों के निधन पर व्यक्त की गई भावनाओं से सहमति प्रगट करते हैं जिन्होंने इस लोक सभा तथा पहले की सभाओं में सेवा की ।

डा० लोहिया हमारे एक राष्ट्रीय नेताओं में से थे । गत तीन दशकों में जो बहुत बड़े आन्दोलन हुए उनमें उन्होंने भाग लिया । मुझे उनके साथ कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ जब मैं पश्चिमी बंगाल में किसान आन्दोलन की इकाई स्थापित कर रहा था। यद्यपि उनका जन्म राजस्थान में हुआ तथा कार्य उत्तर प्रदेश में किया परन्तु 1935 में भी उनका बंगाल में प्रभाव था । फिर गोआ, नेपाल तथा नेफा में जहाँ भी वह अनुभव करते थे कि उनके नेतृत्व की आवश्यकता है, वह बिना झिझक उसमें जुट जाते तथा स्वतन्त्रता के संग्राम में जनता के हितों की सेवा करते ।

हममें से बहुत लोगों की भान्ति उन्हें भी महात्मा गांधी के नेतृत्व में कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ । उनमें अनुशासन की मात्रा इतनी थी कि उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के बारे में एक सुझाव दिया जो गांधी जी को स्वीकृत नहीं था परन्तु अखिल भारतीय कांग्रेस समिति उनके हित में थी और गांधी जी चाहते थे कि समिति उस बात से पीछे हट जाये तो एक वफादार सिपाही की भांति उन्होंने महात्मा गांधी की बात को मान लिया। यह मैं इसलिये कह रहा हूँ कि उन्हें सदा विद्रोही कहा जाता है परन्तु उनमें अनुशासन इतना अधिक था। इस सदन में तथा बाहर देश में उन्होंने ऐसा कार्य किया कि जब वह किसी कार्य को अपने हाथ में लेते और उसे नया मोड़ देते तो वह भिन्न दिखाई देने लगता। इसी कारण उन्होंने जब वह इस सभा में आये तो भुखमरी की एक नई परिभाषा दी और उसका अर्थ एक नये रूप में समझा जाने लगा ।

डा० लोहिया अपरिपक्क आयु में ही स्वर्गवासी हो गये और प्रधान मंत्री ने ठीक ही कहा है कि यह सदन वैसा नहीं रहेगा जैसा उनके जीवित रहते था । हम तथा सारा देश उनके निधन पर संवेदना प्रकट करते हैं ।

श्री पाटिल यहाँ एक सदस्य थे और स्वतन्त्र दल के एक अच्छे सदस्य थे। वह मैसूर में विधान सभा के सदस्य रहे थे तथा वहाँ की क्षेत्रीय संस्थाओं में लोगों की सेवा की।

पंडित नीलकंठ दास हमारे एक सहयोगी थे । हम इस सभा में श्री भूला भाई देसाई के नेतृत्व में साथ आये। वह सदन में हमारे दल के एक सचिवों में से थे । हम उन दिनों में अंग्रेजों के विरुद्ध इस ओर बैठते थे। वह एक बड़े क्रान्तिकारी थे । वह एक कवि तथा उड़िया के बड़े लेखक थे। उन्होंने उड़िया साहित्य तथा भाषा के विकास में बड़ा योगदान दिया। उन्होंने अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। उनकी भाँति इस प्रकार का बलिदान केवल आंध्र प्रदेश के श्री प्रकाशा ने किया ।

फिर, श्री एच० पी० चटर्जी का नाम है । हममें से ऐसे बहुत कम व्यक्ति हैं जो वृक्षों तथा जंगलों से उनकी भाँति प्यार करते हैं । जब वह अपना अन्तिम भाषण यहाँ दे रहे थे जिसका सम्बन्ध वृक्ष विकास से था तो मुझे पुराने ऋषियों की याद आई । एक पुराने ऋषि की भांति ही उनका आचरण तब रहा जब उनके इकलौते बेटे का निधन हुआ जब पाकिस्तान ने 1965 में हमारे देश पर आक्रमण किया। हमने उनके बेटे के निधन पर भी शोक किया था परन्तु

श्री चटर्जी प्रसन्न थे कि उनकी दूसरी नसल को भी बलिदान करने का अवसर मिला । वह बहादुर लोगों में से एक थे ।

डा० के० बी० मेनन बहुत ही सज्जन व्यक्ति थे । वह जब आधे अन्धे थे तब भी हमारे साथ थे । उन्होंने सिविल स्वतंत्रताओं के बारे में संग्राम किया । वह स्वतन्त्रता के एक सच्चे सिपाही थे ।

सर्वश्री शिवंजप्पा, दूबे, महागाँवकार तथा शुक्ल सब हमारे सहयोगी थे । उन सब का निधन हो गया है । हम इन सब देशभक्त सहयोगियों के निधन पर शोक प्रकट करते हैं। अपने दल की ओर से मैं चाहता हूँ कि दुःखी परिवारों को संवेदना संदेश भेज दिये जायें ।

Shri A. B. Valpayee (Balrampur). Mr. Speaker, one by one the lamp posts of old generation are falling and our guides are going away from us and have left the boat of this country in the storm. We bow our heads to them who spent their lives in jails, led difficult, lives and contributed for the development of India whose names have been mentioned by you.

I heard the news of the death of Dr. Lohia when I was in Bangkok. With me there were Shri Solanki of Swatantra Party and Ch. Ram Sewak of Congress Party. For a moment we were crest-fallen and forgot ourselves and loss in grief. We had never thought that a leader who had taken part in all struggles and sacrifices and who would encourage all types of struggle against injustice would lose the battle of life so soon. Perhaps there was some negligence in his treatment. Dr. Lohia was a great patriot, a leading leader in the freedom struggle, an original thinker and a great revolutionary. He had a unique personality and was full of diversities and full of many sided talents. He himself was a topic of debate and would take delight in raising new debates. He was a born rebel and it became his habit to bewage rebellion. He gave a new direction to the life of the nation. He wanted to bring about a new regime and a new administration. One may disagree with his views but he had a burning fire for the downtrodden and influenced those who came near him.

Mr. Speaker, Dr. Lohia's place will remain perhaps unfulfilled. Although he was a socialist yet he was against officialdom. He would criticise both old and new capitalists as well as old and new rulers. He was against English and criticised those who were against the regional languages. He gave new names to Everest and called it Sagarnatha, called Nefa as Urvasiyan. He never spared anyone in criticism whether he belonged to his own party or to other parties and yet he would embrace all of them. Death has taken him away from us but his spirit is immortal and he advocated confederation of India and Pakistan, freedom for Tibet, free Pakhtoonistan. He wanted removal of all inequalities based on birth or family. We, have inherited from him respect for regional languages. Those dreams of his are our belongings now. Other greatest tribute to him will be to accomplish his ideals.

श्री मनोहरन (मद्रास उत्तर) : अध्यक्ष महोदय अपने दल की ओर से मैं डा० लोहिया तथा दिवंगत सदस्यों के बारे में जो विचार सदन के नेता ने व्यक्त किये, उनसे सहमति प्रकट करता हूँ ।

यह दुःख की बात है कि यह देश अपने सुन्दरतम सपूतों को खो रहा है । यद्यपि यह प्राकृतिक नियम है परन्तु जो स्थान रिक्त होते हैं उनकी पूर्ति कठिन है ।

डा० लोहिया, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के संग्राम में एक ऐतिहासिक भाग लिया, आज हमारे बीच नहीं हैं ।

डा० लोहिया एक विचार तथा एक दर्शन का प्रतिनिधित्व करते थे । वह अन्तोगत्वा एक संस्था बन गये । वह निडर आलोचक तथा कड़वे थे परन्तु फिर भी "मानव" थे ।

वह सिद्धान्त के बारे में कोई समझौता नहीं करते थे। कई बार ऐसा दिखाई देता था कि उनसे निबटना कठिन है । वह जन साधारण के नेता थे तथा उनसे कोई सम्बन्ध नहीं रखते थे जो जन साधारण से अलग हों । उनके शब्द कड़वे प्रतीत होते होंगे, उनकी आलोचना व्यक्तिगत प्रतीत होती होगी परन्तु उनकी नीयत पवित्र थी और उनका कार्य देश के लोगों की भलाई में व्यतीत हुआ । जो तरीके उन्होंने अपनाये उनकी आलोचना हो सकती है तथा क्रोध भी उत्पन्न होता होगा परन्तु उन्होंने जो अन्तिम रास्ता अपनाया उसमें कोई विवाद नहीं ।

सरकार ने पूरा प्रयास किया तथा अनुभव वाले डाक्टरों से चिकित्सा कराई परन्तु हम डा० लोहिया को नहीं बचा सके। हमें डा०लोहिया के सिद्धान्तों को नया जीवन देना चाहिये तथा ठोस शक्ल देनी चाहिये ।

अपने दल की ओर से मैं अपने इन सभी सहयोगियों के परिवारों को संवेदना संदेश भेजना चहता हूँ ।

Shri Yogendra Sharma (Begusarai) ; Mr. Speaker, We the members and our party associate with the sentiments expressed by the leader of the House to late Dr. Ram Manohar Lohia, Shri H. P. Chatterjee and the other departed souls. Dr. Ram Manohar Lohia was an extraodinary and a fearless fighter in the struggle for national independence. He was one of the symbols of the movement of the socialistic ideas in India and was the hope for the exploited. We could not believe his untimely death. I have been in personal contact with him since those days when he was organising the youths under the non-co-operative movement against the British Rule within the Congress Socialist Party.

I remember that in 1936 I used to participate as a student in the Socialist Study Organisation under the guidance of the Congress-Socialist Party. Dr. Lohia used to be our professor at that time. Since then till his death he endeavoured hard to make the country strong through simplicity, equality and in the spirit of Swadeshi.

He played a very important role in the 'Quit India Movement'. He inspired lakhs of young men to participate in the National Movement and lakhs of youngmen participated in this movement after sacrificing everything. He raised his voice against injustice, poverty, and exploitation and gave hope to the weaker sections that they could free themselves of these by organised action. The people of India would be grateful to him for those acts.

He got a great deal of success towards showing a new path of change and progress in this country after the last general elections through his efforts to unite the progressive forces and make them agree on a minimum programme of action. He had been consulting and advising his colleauges till the end of his life. Inspite of differences he had been trying to agree with their views. Two to four days before the conclusion of the last session he told me that people of his age group were at the last stage of their life and they wanted that their dream might be fulfilled. Would our dream of constructing socialistic flourishing and strong India be fulfilled ?

In order to fulfil that dream it is necessary to start a new chapter of not only political changes, but of economic and social changes also in the country and in the Parliament by people of revolutionary views with unity on the basis of minimum programme. Today, our last tributes to him would be to give a concrete shape to his aspiration. In his last

meeting, in addition to other things he told me that if on the basis of prescribed programme united front is not formed by all the progressive powers, then at least the Samyukat Socialist Party and Communist Party of India should unite. If it happens, there comes a great change in the country and the progressive forces are strengthened.

Shri H. P. Chatterjee was an old and brave freedom fighter. He fought throughout his life for the cause of independence. He devoted his entire life to the service of the people. He even sacrificed his son for the safety of the country. I offer tributes to that patriot on behalf of my party and express sentiments of sorrow, and I also associate myself with the sentiments expressed here by the other friends here and mourn the loss of all others.

Shri Madhu-Limaye (Monghyr) : Mr. Speaker, Dr. Ram Manohar Lohia is no more with us. Our public life has become lifeless due to his untimely demise. This House has lost its charm and loneliness has come in our life and I do not think that it would be possible to fulfil that gap.

Dr. Lohia played an important role in our struggle for independence. He was one of the leading figures who had built up opposition to British oppression in 1945 after the arrest of Mahatma Gandhi and other members of the Congress Working Committee. He was deadly against the partition of the country . He was of the view that till Goa and Pondicherry were liberated and a democratic social order was established in Nepal, Tibet, Sikkim and Bhutan, India's struggle for independence would not be complete. Dr. Lohia was first to initiate to bring democratic revolution in Nepal and to get Goa liberated. He was arrested in Goa twice and I think that but for Mahatma Gandhi he has to remain in prison for years. Similarly, in order to remove isolation in Nefa, he had to resort to Civil Disobedience Movement.

He had to fight for the cause of the poor and downtrodden and had to undergo imprisonment 18 times even after independence. He not only had that national sentiments but he had the dream of public welfare also. He dreamt of a world in which any person could go anywhere in the world without any passport and he should have full liberty to live or die in the place of his choice. He not only raised his voice against the injustice done to the negroes in America but he resorted to Civil Disobedience Movement and was arrested there. But the American Government woke up and he was set free.

Dr. Lohia abhorred regionalism and parochialism. On the one hand he was of the view that nationality should be the basis of our politics. He was of the view that so long as there have been sovereign states and the boundaries in the world, we should not allow any foreigners to occupy our land. He very well knew that at last we have to establish a world Government which would not include the representatives of sovereign nations, but it would consist of the people's representatives like Lok Sabha.

He was one of the founders of the socialist movement in our country and imported new ideas to socialist thinking. He was the first socialist leader who laid emphasis on the struggle for removal of caste system along with the class struggle. He was of the view that French Revolution have given an idea of equal opportunity and equality before law, but by applying the principles of special opportunity we should establish social equality besides economic equality in India. Therefore, at the time of formation of non-Congress Governments in States he always recommended that sixty per cent of our representatives in the Cabinets should be from backward classes.

After independence Dr. Lohia insisted on the use of national language in our public life, Government work in courts and the Universities. He was accused of imposing Hindi on non-Hindi speaking areas, but he was opposed to the domination of English over the

people. He wanted that Hindi should be used in all the spheres. He was in favour of removing the statutes of English Governors. He was against names of Clive Street, Dalhouise Street, but he was not against Shakesperare and Barnard Shaw. He stood for a synthesis of nationalism and world-brotherhood.

He stood for putting an end to pomp and show, luxury and extravagance which had crept in our public life after independence and wanted to usher in an era of simplicity, equality, hard work and sacrifice.

During the last days of his life he gave emphasis on unification of socialist forces. He was of the view that Congress Party should be dissolved after independence as suggested by Mahatma Gandhi. When the question of formulating alternative Governments was raised he advised the opposition parties to form programme-oriented and not power-oriented Governments. If these Governments do not try to fulfil the definite programme within a definite time, he did not think it proper to remain in that Government. Therefore, he said that whether it may be Uttar Pradesh, Bihar or other States, where our party members are ministers, they should try to make that Government's work programme-oriented.

He has been accused of following destructive politics. I admit that there was some sign of destructiveness in his politics, but it was for removing evils that crept into politics and for adopting good qualities. It was the principle of his life and, therefore, he was not satisfied with the work of the alternative non-Congress Governments and he wanted that these Governments should be programme-oriented.

It would be impossible be fill the gap created by his death. He had set before us an example of austerity and sacrifice which would continue to inspire us.

I also pay tributes to other colleagues who had passed and express sorrow for the members of the families of the deceased.

श्री० अ० क० गोपालन (कासरगोड़) : आज जो भी सदस्य बोले हैं उनके साथ मैं भी अपने दल की ओर से दिवंगत आत्माओं के प्रति सम्वेदना प्रकट करता हूँ। मैं इस सम्बन्ध में संक्षेप में बोलूँगा और जो कुछ पहले कहा जा चुका है उसको नहीं दोहराऊँगा।

डा० लोहिया के निधन से देश को महान क्षति हुई है और संसद की इससे भी अधिक हानि हुई है। मैं और डा० लोहिया राष्ट्रीय आन्दोलन के प्रारम्भिक दिनों से ही राष्ट्रीय कांग्रेस, कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी और इसके बाद भी साथ-साथ रहे हैं। यद्यपि हमारी नीति एक दूसरे से भिन्न थी, परन्तु हम जन साधारण की भलाई के लिये साथ-साथ कार्य करते रहे। डा० लोहिया की मृत्यु से मुझे व्यक्तिगत हानि हुई है क्योंकि जब कभी भी कोई विवादास्पद मामले होते थे तो डा० लोहिया मुझे, संसद सदस्य होने के नाते बुलाया करते थे और मुझसे उन मामलों पर विचार-विमर्श किया करते थे। वह इतने स्नेही थे कि न केवल मैं बल्कि दूसरे विपक्षी दल के सदस्य उनको ध्यानपूर्वक सुनते थे। यद्यपि इनकी भाषा कठोर होती थी तथापि जो लोग उन्हें नहीं समझ पाते थे वे यह नहीं जानते थे कि पददलित लोगों के प्रति अपनी उत्कंठ भावनाओं तथा मानव के दुखों को दूर करने के अपने संकल्प के कारण ही वह कड़ी भाषा का प्रयोग करते थे। डा० लोहिया विपक्षी दलों को जोड़ने वाली एक महान शक्ति की भाँति थे। जैसा कि मेरे माननीय मित्र श्री मधु लिमये ने कहा मुझे उनकी व्यक्तिगत मित्रता, उनकी सच्चरित्रता, स्नेह और मौलिक विचारों का अनुभव है।

डा० के० एस० मेनन हमारे साथ दूसरी लोक सभा के सदस्य थे। संसद के अतिरिक्त भी हम केरल में साथ-साथ कार्य करते थे। वह समाजवाद के प्रति आस्था रखने वाले निष्ठावान कार्यकर्ता थे।

श्री एच० पी० चटर्जी के सम्बन्ध में हम सब जानते हैं। वह निर्भीक योद्धा थे। यह आश्चर्यजनक बात है कि परसों उनकी मृत्यु मुझसे मिलने के कुछ ही घन्टों बाद हुई।

मैं अपने दल की ओर से तथा दूसरे मित्रों के साथ उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ और दूसरे व्यक्तियों, जिनका नाम उल्लेख किया गया है, के लिये शोक प्रकट करता हूँ।

श्री सुरेन्द्र नाथ द्विवेदी (केन्द्रपाड़ा) : सभा में दिवंगत आत्माओं के प्रति समवेदना और श्रद्धा के जो विचार प्रकट किये गये हैं उनके साथ मैं और मेरा दल भी शामिल है। यह बहुत दुःख की बात है कि आज बहुत से व्यक्तियों की दुखद मृत्यु से उत्पन्न हुए शोक के वातावरण में संसद का अधिवेशन आरम्भ हुआ है। इन परिस्थितियों में दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि देकर सभा को स्थगित करना उचित होगा।

डा० लोहिया सच्चे शब्दों में न केवल एक सच्चे मित्र, समाजवादी योद्धा परन्तु एक महान विचारक और प्रगतिवादी व्यक्ति थे। जबसे वह समाजवादी कार्यकर्ता के हैसियत से भारतीय राजनीति में आये, मुझे उन्हें जानने का सौभाग्य प्राप्त था। हम आपस में विचार-विमर्श किया करते थे। वह समाजवादी समाज के दृष्टा थे जो परम्परा से भिन्न हों लेकिन उसकी सम्पूर्ण विचारधारा इस बात पर आधारित थी कि हर प्रकार की दासता का विरोध किया जाये। वह सामाजिक और आर्थिक असमानताओं और देश में राजनीतिक अस्थिरता के कारण चिन्तित रहा करते थे। अतः वह अपनी आलोचना और कार्यक्षेत्र में निर्भीक रहते थे। वह अपने सहयोगियों में भी अधीर रहते थे। हमारे देश में उनके जैसी भावना अब नहीं मिलती। उनके निधन से जो एक स्थान रिक्त हो गया है वह कभी नहीं भरा जा सकेगा। मुझे आशा है और विश्वास है कि इस देश की युवक पीढ़ी पददलित लोगों को उठाने के लिये मिलकर कार्य करेगी ताकि समाज के सामाजिक रूपान्तर के लिये नई क्रान्ति लाई जा सके।

श्री एच० पी० चटर्जी, जिन्हें हम सब जानते हैं, एक साहसी और उत्साही नेता थे। बहुत ही कम व्यक्ति ऐसे हैं जिन्होंने अपने जीवन में इतने बलिदान किये हों। पिछले भारत-पाक युद्ध में उनके पुत्र की मृत्यु हो गई थी। जब हममें से किसी ने उनसे यह खबर छिपाने का प्रयत्न किया और अन्त में जब उन्हें पता लगा तो उन्होंने कहा कि मेरा बेटा देश की स्वतन्त्रता और अखंडता के लिये एक सिपाही की भाँति वीरगति को प्राप्त हुआ। वह इससे चिन्तित नहीं थे। हममें से जो सदस्य उनसे मिले थे उन्होंने उनसे कहा कि आप मेरे घर जाइये और मेरे परिवार के सदस्यों को सांत्वना दीजिये। जहां तक मेरा सम्बन्ध है, मैं तो केवल उन्हें इतना ही बताने का भरसक प्रयत्न करूँगा कि मुझे पुत्र की मृत्यु से कुछ हानि नहीं हुई। इस प्रकार के अवसर पर इस प्रकार की कठोर भावना का हमारे देश में हममें से बहुत कम लोग ही परिचय दे सकते हैं।

डा० के० बी० मेनन न केवल इस सदन् के सदस्य थे बल्कि स्वतन्त्रता संग्राम के एक सेनानी और इस देश में नागरिक स्वाधीनता आन्दोलन के आयोजक भी थे। वह केवल राज्यों

के स्वतन्त्रता आन्दोलन से ही सम्बन्धित नहीं थे बल्कि देश के स्वतन्त्रता आंदोलन से सम्बन्धित थे और आरम्भ से ही समाजवादी आन्दोलन से उनका सम्बन्ध था । वह एक हस्ती थे कि जब कभी हम नागरिक स्वतन्त्रता के प्रश्न पर विचार करते हैं तो हमें स्वतः उनके व्यक्तित्व का स्मरण हो जाता है जब वह इस सभा के सदस्य थे। उन्होंने सदा संसद में तथा इससे बाहर भी दलित व्यक्तियों एवं नागरिक स्वतन्त्रता के पक्ष में आवाज उठाई ।

पंडित नीलकंठदास राष्ट्रवादी आन्दोलन में प्रमुख थे । वह कई प्रकार से उड़ीसा में सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक और राजनीतिक क्षेत्रों में अग्रणी थे । वह पुरानी केन्द्रीय विधान सभा के, जिसके नेता श्री भोलाभाई थे, सदस्य थे । न केवल भारतीय राजनीति बल्कि भारतीय संस्कृति और साहित्य में उनका योगदान चिरकाल तक स्मरणीय रहेगा। यद्यपि उनका देहान्त वृद्ध अवस्था में हुआ, लेकिन वह हमारे लिये एक उदाहरण छोड़ गये हैं, जिसका हमें स्मरण और पालन करना चाहिये। यहाँ प्रकट किये गये विचारों से मैं सहमत हूँ । जहां तक दूसरे दिवंगत सदस्यों का प्रश्न है मुझे आशा है आप हम सब के संवेदना संदेश दुखी परिवार को पहुँचायेंगे । परन्तु जहाँ तक डा० लोहिया का सम्बन्ध है, उनके दाह-संस्कार और उनके व्यक्तिगत जीवन से यह बोध होता है कि वह भिन्न मतावलम्बी थे । आज जब हम उनकी मृत्यु पर शोक प्रकट कर रहे हैं तो उनके किसी परिवार के सदस्य को कोई संदेश भेजने का अवसर नहीं है । समस्त देश को उन्हें अपने पुत्र के समान समझना चाहिये और उनकी मृत्यु पर शोक प्रकट करना चाहिये ।

श्री फ्रैंक अन्थनी (नामनिर्देशित आंग्ल भारतीय) : अध्यक्ष महोदय, हमारे अनेक महान सहयोगियों के निधन पर जो विचार प्रकट किये गये हैं, उनसे स्वतन्त्र संसदीय दल सहमत है ।

मैं डा० लोहिया के सम्बन्ध में विशेष रूप से कुछ शब्द कहना चाहूँगा। मैं उनको बहुत अच्छी तरह जानता था । मैं उनके कुछ विचारों और कार्यों से सहमत नहीं था ।

चाहे कोई भी उनके विचारों और कार्यों से सहमत न हो, परन्तु उनके व्यक्तिगत स्वभाव की प्रसंशा किये बिना नहीं रह सकता । डा० लोहिया, का जो रूप हमें उनके सार्वजनिक जीवन में देखने को मिला वह निसन्देह एक विद्रोही का रूप था । जैसा कि मेरे मित्र श्री सुरेन्द्र नाथ द्विवेदी ने कहा कि वह भिन्न मतावलम्बी थे । डा० राम मनोहर लोहिया पर चाहे जो भी आरोप लगाया जाये पर कोई भी यह आरोप नहीं लगा सकता कि उनके विचारों और कार्यों में मौलिकता नहीं थी । मैं जब भी उनसे मिला मैंने उन्हें मुस्कराता पाया । उनमें ईर्ष्या नहीं थी । और गुणों के अतिरिक्त उनमें न केवल देश भक्ति के प्रति आकर्षित होने की विशेष क्षमता थी बल्कि उनमें स्नेह की भावना भी थी ।

अध्यक्ष महोदय, मैं आप से अनुरोध करूँगा कि हमारे सम्वेदना संदेश विक्षुब्ध परिवार के सदस्यों को पहुँचा दें ।

श्री नि० चं० चटर्जी (बर्दवान) : सभापति महोदय, मैं अपनी ओर से तथा अपने ग्रुप की ओर से श्रद्धान्जलि अर्पित करता हूँ । आज हमें एक विपत्ति का सामना करना पड़ रहा है । डा० लोहिया हमारे बीच में नहीं रहे हैं । इससे हमारी अभूतपूर्व हानि हुई है । वह न केवल हमारे स्वतन्त्रता संग्राम के सेनानी थे बल्कि हमारे देश की पददलित जनता के शुभचिन्तक थे । वह हिन्दी के महान समर्थक थे । इसके साथ-साथ वह प्रादेशिक भाषाओं का विस्तार तथा प्रगति चाहते थे । बंगाल के युवक उन्हें अपना नायक समझते थे । वह मेरे

चुनाव के समय मेरे क्षेत्र में आये थे और उन्होंने मेरे समर्थन में बहुत से स्थानों पर बंगाली भाषा में भाषण किये थे। उन्होंने अपने जीवन का बहुत सा भाग बंगाल में बिताया था। जब कभी हमें उनकी सहायता की आवश्यकता हुई उन्होंने हमारी सहायता की। हम उनकी सेवाओं को कभी नहीं भूल सकते। जब कभी कोई संकट खड़ा हुआ, उन्होंने देश का मार्गदर्शन किया।

हमारे एक और मित्र श्री हरिपद चटर्जी भी हमें छोड़कर चले गये हैं। वह एक महान व्यक्ति थे। श्री चटर्जी के एक ही पुत्र थे, श्री अभिजित चटर्जी, जो हमारी वायुसेना में अधिकारी थे और उन्होंने पाकिस्तान के आक्रमण के समय अपना जीवन न्योछावर कर दिया था। हमें ऐसे नवयुवकों पर गर्व है। श्री हरिपद चटर्जी किसी भी प्रकार का अनुचित लाभ उठाने वाले व्यक्ति नहीं थे। उन्होंने अपनी विधवा बहू, जो कि एक योग्य महिला है, के लिये किसी प्रकार की सहायता नहीं माँगी।

उन्होंने जीवन पर्यन्त देश की सेवा की और देश के उत्थान कार्य में व्यस्त रहे। हम उस महान देशभक्त, जिसने देश सेवा में सर्वस्व लगा दिया, को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। मैं उन माननीय सदस्यों के प्रति भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ जिनकी मृत्यु हो गई है।

Shri Prakash Vir Shastri (Hapur) : I pay my tribute to the memory of those members who have passed away. It is unfortunate that four sitting members have passed away during this last inter-session period. It is very shocking indeed.

Dr. Ram Manohar Lohia was not only the top leader of socialist movement in India but he was a vigilant sentinal of democratic values. In his death Parliament has lost a great Parliamentarian. He was against the partition of India into present India and Pakistan. He did not like both countries spending huge sums of money on defence preparations. He wanted this money to be utilized for economic development. During his last days he expressed sympathy for Khan Abdul Ghafar Khan and wanted that all help should be given to the frontier Gandhi.

I, on behalf of myself and on behalf of other independent Members of Lok Sabha, pay tributes to the departed leaders.

Shri Ram Sewak Yadav (Barabanki) : Sir, the night of October 11, 1967 will go down as a gloomiest night in the history of India. It was during this night that Dr. Ram Manohar breathed his last. We are paying tributes to Dr Lohia. It would the greatest tribute to him if we follow the principles for which he fought throughout his life. He was the leader of the poor masses of our country. He had no attachment for property. I offer my tribute to those also who have died during the last inter-session period.

अध्यक्ष महोदय : उक्त दिवंगत सदस्यों की स्मृति के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में सदस्य थोड़ी देर तक मौन खड़े रहेंगे।

इसके पश्चात् सदस्य थोड़ी देर तक मौन खड़े रहे।

The Members then stood in silence for a short while.

अध्यक्ष महोदय : दिवंगत सदस्यों के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिये सभा अब स्थगित की जाती है।

इसके पश्चात् लोक सभा मंगलवार, 14 नवम्बर, 1967/23 कार्तिक 1889 (शक) के ग्यारह बजे तक के लिये स्थगित हुई ।

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Tuesday, November 14, 1967 *Kartik* 23, 1889 (*Saka*)

Printed by Job Printers, 119, Swami Vivekanand Marg, Alld.